आभार

आभार ज्ञापन में मैं सर्वप्रथम विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के श्री चरणों में नमन करता हूँ। प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध के पूर्णता के अवसर पर सभी विद्वान गुरुजनों, मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करना मैं अपना पुनीत कर्तव्य समझता हूँ, जिनका मार्गदर्शन, आशीर्वाद एवं सहयोग प्राप्त हुआ है।

प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध का पूर्ण होना मेरे लिए किसी स्वर्णिम स्वप्न के साकार होने जैसा है, जिसका सर्वाधिक श्रेय मैं अपने परम आदरणीय शोध-निर्देशक डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय सर, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात के प्रति कृतज्ञता अर्पित करना अपना परमकर्तव्य मानता हूँ, जिन्होंने शोधकार्य हेतु विषय चयन से लेकर सामग्री संकलन, विश्लेषण एवं लेखन कार्य में अपने विद्वत्तापूर्ण निर्देशन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। वस्तुतः यह स्वीकृति मुझ अल्पज्ञ हेतु विद्या प्रदायनी माँ सरस्वती का साक्षात् अनुग्रह ही था। आपकी विद्या प्रदायनी माँ सरस्वती स्वरूपा विद्वत्ता एवं निर्देशन के परिणाम स्वरूप ही मैं इस शोध को सफलता पूर्वक पूर्ण कर सका हूँ।

मैं अपनी विभागाध्यक्षा प्रो. कल्पना गवली मैम के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ, जिनके सान्निध्य में मैंने अपना शोध-प्रबन्ध पूर्ण किया।

मैं अपने विभाग के आदरणीय गुरुजन प्रो. शन्नो पाण्डेय, प्रो. दक्षा मिस्त्री, प्रो. दीपेंद्र सिंह जडेजा, प्रो. कनुभाई निनामा, डॉ. अज़हर ढेरीवाला, डॉ. एन. एस. परमार, डॉ. अनीता शुक्ल, डॉ. मनीषा ठक्कर आदि के प्रति आभारी हूँ, जिनका स्नेह एवं सहयोग मुझे सदैव प्राप्त हुआ है।

मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ोदरा के हंसा मेहता पुस्तकालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग के पुस्तकालय और राजकीय पुस्तकालय इलाहाबाद के सहकर्मियों के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करता

हूँ।

मैं अपने पूज्यनीय माता स्वर्गीय श्रीमती उर्मिला देवी एवं पिता श्री शिवमूरत यादव के प्रति नतमस्तक हूँ जिनका आशीर्वाद मेरा सम्बल रहा है। मैं आदरणीय गुरु डॉ. शिव प्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के प्रति हृदयतल से आभारी हूँ जिनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से शोधकार्य सफलता पूर्वक पूर्ण हुआ। मैं श्रीमती शीला पाण्डेय मैम, प्राचार्या श्रीलधाराम स्कूल वड़ोदरा का भी हृदय से आभारी हूँ जिनकी प्रेरणा और आशीर्वाद के परिणाम स्वरूप इस कार्य को पूर्ण कर सका। मैं अपने श्रद्धेय सास-ससुर श्रीमती सरोज देवी एवं डॉ. दुर्गेश मद्देशिया के प्रति आभारी हूँ। साथ ही परिवार के सभी सदस्यों के प्रति उनके सहयोग हेतु हृदय से आभार ज्ञापित करता हूँ।

मेरे शोधकार्य का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष मेरी जीवन संगिनी श्रीमती अनुपमा मद्देशिया (सहायक अध्यापिका GGIC) का रहा है। जिनके सहयोग के बिना यह महत्त्वपूर्ण कार्य पूर्ण करना सम्भव नहीं था। मेरे हर पक्ष में इनका सदा सहयोग रहा और मैं अपने शोधकार्य को पूर्णता की ओर ले गया। इस सहयोग को मैं शब्दों में नहीं पिरो सकता, इसे सिर्फ अहसास के माध्यम से महसूस किया जा सकता है।

मैं अपने मित्रों डॉ. मानवेन्द्र वर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. राकेश कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. संजय यादव असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. ऋचा त्रिपाठी, केशा यादव (प्रवक्ता), सीमा चंद्रा (प्रवक्ता), नीलम आर्या (सहायक अध्यापिका GGIC), अर्चना मेहता (नर्सिंग ऑफिसर) विरेन्द्र यादव एवं सहयोगियों में सर्वश्री प्रेम शंकर सिंह (सहायक अध्यापक GIC), नागेन्द्र कुमार शर्मा (शोधार्थी), पिंटू यादव (शोधार्थी), संगम कुमार वर्मा (शोधार्थी), डॉ. विजय प्रकाश यादव, क्षेत्र सिंह (सहायक अध्यापक TGT), वीरेन्द्र सिंह (सहायक अध्यापक GIC), आनन्द कुमार यादव (सहायक अध्यापक), कमल शाक्य एवं रामसुंदर यादव के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने शोध-प्रबन्ध की पूर्णता में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया है।

मैं उन सभी साहित्यकारों और समीक्षकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ

जिनकी कृतियों से मैंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में सहायता और विचारोत्तेजना प्राप्त की है। मेरा प्रयास "हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में हंस और राजेंद्र यादव : एक अनुशीलन" को व्यक्त करने का रहा है। यदि यह तत्कालीन समाज को समझने में थोड़ा भी सहायक होगा तो मैं स्वयं को कृतकृत्य समझूंगा। यह मेरा विनम्र प्रयास है। शोध-प्रबंध में यदि त्रुटियां रह गई हो तो मैं क्षमा प्रार्थी हूँ क्योंकि त्रुटि करना मानव स्वभाव है। अतः मैं आशा करता हूँ कि शोध-प्रबंध में हुई त्रुटियों के लिए आप मुझे क्षमा करेंगे। अंत में मैं इस श्रम साधना का पूरा श्रेय परमपिता परमेश्वर को देना चाहूँगा क्योंकि परमात्मा की इच्छा एवं कृपा के बिना कोई कार्य पूर्ण हो पाना संभव नहीं होता।

शोध-छात्र

राकेश कुमार यादव

हिंदी विभाग, कला संकाय,

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,

बड़ौदा, गुजरात